विश्व बने धर्मात्मा ।
पापों का हो खात्मा ॥

निजधाम वासी
बाबा जयगुरुदेव जी महाराज

जय गुरु देव

जीव जागरण धर्म यात्रा

हाथ जोड़कर विनय हमारी ।
तजो नशा, बनो शाकाहारी ॥

परम सन्त
बाबा उमाकान्त जी महाराज

पहले के समय में अपना लोक-परलोक बनाने और घर-परिवार में सन्त-महात्माओं की दया-आशीर्वाद लेने के लिए लोग महीना-पंद्रह दिन या पूनम-अमावस्या, तीज-त्योहारों पर उनके आश्रमों पर जाया करते थे। आम लोगों से लेकर सेठ-साहूकार और राजा महाराजा तक सभी उनसे राय लेते और उनके बताए रास्ते पर चलते थे तो सभी स्वस्थ व खुशहाल थे, सभी के घर व काम-धंधा में बरकत थी। आज की तरह से खींचा-तानी नहीं थी। झगड़ा, टेंशन नहीं था, दहेज, तलाक के मुकदमे, कलह से घर छोड़ कर भागना, आत्महत्या नहीं थी।

धीरे-धीरे लोगों का सच्चे सन्तों के पास आना-जाना कम हुआ तो उनके खान-पान और कर्मों में गिरावट आने लगी, जिससे उनके जीवन में चारों तरफ बीमारी-परेशानियां बढ़ने लग गईं। परिवार में पिता-पुत्र, पति-पत्नी और भाई-भाई एक दूसरे के प्रति अपने फर्ज को समझ नहीं पा रहे हैं। इसके चलते झोंपड़ी से लेकर राजमहल तक, घर-घर में आपसी विश्वास व तालमेल की कमी से अशांति, कलह और टेंशन बढ़ता जा रहा है। गंदे खान-पान और गन्दी विचार भावनाओं से यह अनमोल मनुष्य शरीर, जिसे सच्चे प्रभु का चेतन हरि मंदिर कहा गया है, अनेक बीमारियों का घर बनता जा रहा है। गंदे तन-मन से की जा रही पूजा, उपासना, इबादत मालिक द्वारा स्वीकार नहीं की जा रही।

इतिहास गवाह है कि जब भी समाज, देश व दुनिया में इंसान के सामने ऐसी परेशानियां आई, तब-तब उस प्रभु की कोई न कोई शक्ति इस धर्म भूमि पर सन्त रूप में अवतरित हुई है। समय परिस्थिति के अनुसार ऐसी शक्तियों ने हमेशा से इंसान को धर्म-कर्म के रास्ते पर लाकर, उसकी दुःख तकलीफें दूर कर उसके लोक-परलोक को बनाया है।

आज कलियुग के इस मलीन समय में बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी और समय के सच्चे समरथ सन्त सतगुरु, परम पूज्य बाबा उमाकान्त जी महाराज इस धरती पर दुखहर्ता के रूप में मौजूद हैं। भारत सहित विश्व के चालीसों देशों के अनेक लोगों के जीवन में पूज्य बाबा उमाकान्त जी महाराज के सतसंग, दर्शन व उनके बताये अनुसार करने से खुशियां लौटी हैं। चिंता, परेशानी, बीमारी, टेंशन, झगड़ा-झंझट व बाधाओं से छुटकारा मिला है। काम-धंधे में बरकत मिली है।

भारत के साथ ही विश्व के अन्य पंद्रह देशों में खुद जाकर बाबाजी ने लोगों के जीवन को खुशहाल बनाने का रास्ता बताते हुए उन्हें पांच नाम का अनमोल नामदान (जीते जी प्रभु प्राप्ति का सनातन भेद) दिया है। जिससे अपने बाल-बच्चों, परिवार वालों के ही बीच रहते हुए चौबीस घंटे में से कुछ समय अपनी जीवात्मा के उद्धार के लिए निकाल कर सुमिरन, ध्यान-भजन करने से अंतर में स्वर्ग,

कृपया पीछे पृष्ठ को भी पढ़े ....

जय गुरुदेव

बैकुंठ सहित ऊपर के अन्य दिव्य लोकों की यात्रा इसी मनुष्य शरीर में रहकर की जा सकती है।

आज उन्हीं बाबा उमाकान्त जी महाराज के आदेश से उनके प्रेमी भक्तजन आपका दर्शन करने, आपके व आपके घर-परिवार की भलाई के लिए बाबा जी द्वारा भेजे गये मानवता और धर्म-कर्म के संदेश के साथ आपके बीच 'जीव जागरण धर्म यात्रा' लेकर आए हुए हैं। अतः अपने कीमती समय में से थोड़ा समय निकालकर प्रेमियों को दर्शन दीजिए और कम से कम एक बार समय निकालकर बाबा उमाकान्त जी महाराज के दर्शन सतसंग का अवश्य लाभ उठाइएगा।

बाबा उमाकान्त जी महाराज के कुछ जनहितकारी एवं जीवहितकारी वचन-

- सच्चे सन्त के दर्शन, सतसंग और आशीर्वाद से नहीं बनने वाले काम भी बन जाता है।
- परमात्मा सत्य है और मौत सत्य है। याद रखो! मौत न जाने कब आ जाये।
- याद रखो! ये देव दुर्लभ मनुष्य शरीर प्रभु प्राप्ति के लिए मिला है। इसमें मांस, मछली, अण्डा, शराब जैसी चीजों को डालकर गंदा मत करो, नहीं तो पूजा, उपासना, इबादत कुबूल नहीं होगी।
- बुराइयों से बचो। नरकों में करोड़ों वर्षों तक बुरे कर्मों की सजा भोगनी पड़ती है।
- समझ लो! चरित्र का गिरना मौत को दावत देने की तरह से है।
- आप किसी के दिल को दुखाने का काम मत करो। किसी पंडित, मुल्ला, पुजारी, जाति-धर्म की निंदा मत करो। कोई राष्ट्र विरोधी, धर्म विरोधी, जाति विरोधी काम मत करो।
- जिस देश में रहो उसकी आन-बान-शान बनाए रखो।
- धन, सम्मान व कुर्सी के लालच में इंसानों की जान मत लो।
- देश-दुनिया को तिफरकाबाजी, आतंकवाद व संभावित विश्व युद्ध से बचाने के लिए विश्व के सभी राजनेताओं एवं धर्म गुरुओं को आगे आकर उदार हृदय से एकजुट होकर काम करना चाहिए।
- जिस्मानी इबादत छोड़ो, किसी पूरे फकीर से पूछ कर रूहानी इबादत करो।
- ख्वाहिशों की इबादत मत करो, यकीन करो उस मालिक पर जिसने पैदा होने से पहले मां के स्तन में दूध भर दिया, देता वही सब कुछ है।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम 'जयगुरुदेव'

जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव

की ध्वनि रोज सुबह शाम बोलिए और परिवार वालों को भी बोलवाइये।

बाबा उमाकान्त जी महाराज के मुख्य आश्रम का पता
बाबा जयगुरुदेव धर्म विकास संस्था,
बाबा जयगुरुदेव नगर, मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.) भारत
✆ 9575600700, 9754700200
jaigurudevukm

सम्पर्क
.....
.....
.....

विनीत
बाबा जयगुरुदेव संगत
.....